वर्ष :: 32 अंक : 27
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 10 अप्रैल, 2022 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

घर को आग लगी घर के चिराग से...

सत्ता की सियासत... झारखंड के 11 आईएएस, 7 आईपीएस अमित शाह के रडार पर, तख्ता पलट की सियासत गरमाई

-: शशांक शेखर :-

दिल्ली/रांची/बोकारो : 'दिल के फफूले जल उठे सीने के दाग से, इस घर को आग लग गई घर से चिराग से।' यह शेर आज झारखंड की राजनीति में सटीक बैठता नगर आ रहा है। क्योंकि, झारखंड में आजकल सत्ता का सिंहासन डोल रहा है। विपक्ष के साथ-साथ सत्ता पक्ष में भी सरकार को अपदस्थ करने की कोशिशें जारी हैं। इसी बीच खबर यह सामने आ रही है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आसीन झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने इतिहास से शायद कोई सबक नहीं सीखा और यही वजह है कि अब उनकी कुर्सी पर खतरा मंडराने लगा है। शायद यही वजह है कि 1932 का खतियान, भाषा-विवाद जैसे मुद्दे उठाये जा रहे हैं। दरअसल, हेमंत सरकार पर सबसे बड़े खतरे की वजह उनके परिवार में फूट मानी जा रही है। इतिहास गवाह है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर रहते हुए झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन को तमाड़ विधानसभा चुनाव में राजा पीटर से पराजय का सामना करना पड़ा था। अब अगर वर्तमान परिस्थितियों की बात करें तो कभी झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के सबसे प्यारे पुत्र रहे दुर्गा सोरेन की धर्मपत्नी आज हेमंत सोरेन के गले की फांस बन चुकी हैं। वह सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार मुखर हैं। उनकी पुत्री ने दुर्गा सोरेन सेना के नाम से एक संगठन बनाया है, जो हेंमत सोरेन के लिए सिरदर्द साबित हो रहा है।

अमित शाह ने मंगाई दागदारों की सूची

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार झारखंड में चल रहे सियासी खेल के बीच केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक विशेष टीम रांची भेजकर झारखंड में पुलिस व प्रशासनिक सेवा में तैनात दागदार अधिकारियों की सूची मंगवाई है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय की ओर से भेजी गई जो विगत शुक्रवार (1 अप्रैल) को आयी थी और बुधवार (6 अप्रैल) को लौटी है। इस टीम ने राज्य के 11 आईएएस और 7 आईपीएस अधिकारियों की पूरी खरीद-बिक्री एवं प्रोपर्टी का विवरण अपने साथ दिल्ली ले गई है।

खनन पट्टा का मामला... कोर्ट ने कहा- यह बेहद गंभीर और सीएम पद का दुरुपयोग

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक के बाद एक मुश्किलों में वह घिरते जा रहे हैं। उनके अपने विधायक जहां उनके खिलाफ बगावत का झंडा लहरा रहे हैं, वहीं विपक्षी दल भाजपा भी उन्हें घेरने में पीछे नहीं है। अब झारखंड हाई कोर्ट ने भी हेमंत सोरेन की परेशानी बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए खुद खनन मंत्री की जवाबदेही अपने पास रखने वाले हेमंत सोरेन ने अपने नाम से खनन का पट्टा भी आवंटित करा लिया है। यह मामला पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कुछ दिन पहले उजागर किया था। अब यह मामला झारखंड हाई कोर्ट पहुंच गया है। अदालत ने इसे गंभीर मामला बताया है। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस डा. रवि रंजन व जस्टिस एसएन प्रसाद की अदालत में पत्थर खनन पट्टे को लेकर जनहित याचिका दाखिल की गई है। इस मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने झारखंड सरकार से जवाब मांगा है। अदालत ने कहा कि यह बहुत ही गंभीर और पद के दुरुपयोग का मामला है। जानकारी के अनुसार, शिव शंकर शर्मा ने इस मामले की सुनवाई के लिए झारखंड हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल कर रखी है। सुनवाई के दौरान प्रार्थी के अधिवक्ता राजीव कुमार ने अदालत को बताया कि हेमंत सोरेन ने पद का दुरुपयोग करते हुए रांची जिले के अनगड़ा में खुद अपने नाम से पत्थर खनन की लीज आवंटित कर ली है। यह संविधान के अनुच्छेद 191 का उल्लंघन है। लाभ के पद पर रहते हुए इस तरह का व्यवसाय नहीं कर सकते हैं। ऐसा करने पर उस व्यक्ति की सदस्यता समाप्त किए जाने का प्रावधान है।

सरकार गिरने पर खतरा... झामुमो परिवार का टूटना कहीं बन जाए पतन का कारण

एक पुरानी कहावत बार-बार दोहराई जाती है, जब एक जहाज डूबने लगता है, तो चूहे सबसे पहले सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए दौड़ पड़ते हैं और झारखंड में इन दिनों यही हो रहा है। 2021 में अश्विन नवरात्रि के दौरान कई सियासी दिग्गजों की उपस्थिति में अमित शाह ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से कहा था- 2022 चैत्र नवरात्र तक अगर हम यूपी चुनाव जीतते हैं, तो यह तय है कि झारखंड भी हमारी झोली में होगा। अब ऐसा ही आसन्न लगता है। इस बीच कांग्रेस के 11 विधायक एक मंत्री और झामुमो सहित 5 विधायक दिल्ली, रांची, बोकारो, धनबाद और पटना के विभिन्न स्थानों पर अमित शाह के बेहद करीबी सहयोगियों से मिल चुके हैं। इधर, इस संवाददाता से एक बातचीत में बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता और झारखंड के पूर्व सीएम ने अपना नाम उद्धृत नहीं करने की शर्त पर बताया कि अब हेमंत सरकार के लिए गिनती के दिन हैं। यह निश्चित नहीं है कि भाजपा का मुख्यमंत्री होगा, लेकिन यह निश्चित है कि भाजपा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से झारखंड पर शासन करेगी। यहां तक कि झारखंड राज्य में राष्ट्रपति शासन भी भाजपा का शासन है। इस बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने भी इस संवाददाता से बातचीत में संकेत दिया कि यह झामुमो का आंतरिक मामला है। अब वह कैसे अपने कुनबे को संभालकर एक साथ रखते हैं, यह वे समझें। लेकिन, यह सच है कि झामुमो परिवार टूट रहा है और यह अच्छी तरह से पता है कि परिवार में विभाजन पतन की ओर ले जाता है। उधर, एआईसीसी के झारखंड प्रभारी अविनाश पांडे ने झारखंड कांग्रेस के सभी विधायक को निर्देशित किया है कि जब तक कांग्रेस आलाकमान संकेत नहीं देता, झारखंड के सीएम से नहीं मिलेंगे। कुल मिलाकर झामुमो में बिखराव का फायदा उठाने में भी भाजपा लगी है। सूत्र बताते हैं कि प्रदेश के एक शीर्षतम कांग्रेसी नेता हाल ही में बीजेपी का दामन थामने वाले आरपीएन सिंह से लगातार संपर्क में हैं। ऐसे में झारखंड में सत्ता की सियासत का ऊंट किस करवट बैठेगा, देखना बाकी है।

सीता को मनाने की कोशिशें नाकाम
...और कोलकाता में मिले बसंत सोरेन

इधर, सीता सोरेन को मनाने की सारी कोशिशें नाकाम रहीं तो अब शिबू सोरेन (गुरुजी) को छोटे पुत्र बसंत सोरेन को हेमंत के साथ लाने में पूरा प्रशासनिक महकमा लगा रहा। झारखंड के एक उच्च आईएएस के अनुसार बसंत सोरेन भी जब इन परिस्थितियों को देखते हुए पर्दे के पीछे चले गये तो उन्हें मनाने की कोशिश में उन्हें ढूंढ़ने का दौर चालू हुआ। सरकार की विशेष टीम ने बसंत को बंगलुरू में ढूंढ़ा, मुम्बई में ढूंढ़ा, दिल्ली में ढूंढ़ा, लेकिन लगातार वे जगह बदलते रहे, वे नहीं मिले। वे मिले भी तो कोलकाता में। अब बसंत को मनाने की कोशिशें जारी हैं।

संपादकीय

झारखंड पुनः अस्थिरता की ओर!

झारखंड की राजनीति में हाल के दिनों में मची उथल-पुथल से ऐसा लगता है कि यह प्रदेश एकबार पुनः अस्थिरता की ओर तेजी से अग्रसर है। आने वाले दिनों में राज्य का राजनीतिक परिदृश्य क्या होगा, इसे लेकर संशय की स्थिति बनती जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। एक ओर जहां सत्ता की चाबी अपने हाथों में रखने वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा के बीच का अंतरकलह चौराहे पर आ चुका है, वहीं दूसरी ओर सत्ता में शामिल कांग्रेस में भी आपसी उठापटक का दौर जारी है। कांग्रेस के 4 विधायकों ने अपने ही मंत्रियों का खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सत्ताधारी दल झामुमो के बाद अब कांग्रेस में भी मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं और झारखंड की राजनीति में उथल-पुथल मची हुई है। कांग्रेस के विधायक डॉ इरफान अंसारी, उमाशंकर अकेला, नमन विक्सल कोंगारी और राजेश कच्छप ने रांची में मीडिया के सामने खुलेआम कहा कि मुख्यमंत्री से उनकी कोई नाराजगी नहीं, बल्कि कांग्रेस कोटे के मंत्री ही उनकी बात नहीं सुनते, विधायक दल की बैठक में भी वे अपनी बात नहीं रख पाते। उन्होंने जल्द ही कांग्रेस के 9 विधायकों को लेकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से दिल्ली में मिलने की बात भी कही। इन विधायकों ने यह भी कहा कि कांग्रेस के किसी भी मंत्री के काम से जनता खुश नहीं है। कोई भी मंत्री काम नहीं कर पा रहे हैं। मंत्री बनाने में एक ही वर्ग का ख्याल रखा जा रहा है। पार्टी में रिजेक्टेड नेता को सिलेक्ट किया जा रहा है और जनाधार वाले नेता को किनारे लगाया जा रहा है। उधर, दूसरी ओर झारखंड मुक्ति मोर्चा के बीच बगावत खुलकर सामने आ गई है। राज्य की वर्तमान सरकार में खनिज संपदाओं की लूट-खसोट और भ्रष्टाचार के खिलाफ विरोधी दल के नेता तो खुलकर सरकार को घेरते ही रहे हैं, लेकिन अब झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन की बहू और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी विधायक सीता सोरेन भी इस मुद्दे पर सरकार के खिलाफ देखी जा रही हैं। हाल ही में उन्होंने भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें अपना ज्ञापन भी सौंपा है। इधर, शुक्रवार को झारखंड हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए अपने नाम से खनन पट्टा लेने के मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को नोटिस जारी किया है। अगर जानकारों की मानें तो इस मामले में मुख्यमंत्री श्री सोरेन पर न्यायालय की गाज भी गिर सकती है। राज्य सरकार के सहयोगी एक विधायक बंधु तिर्की की विधानसभा सदस्यता वैसे ही समाप्त की जा चुकी है। दरअसल, बंधु तिर्की को सीबीआई की विशेष अदालत ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में दोषी करार देते हुए 3 वर्ष की सजा और तीन लाख रुपये का जुर्माना किया था। इस बीच झामुमो और कांग्रेस के कई विधायकों के स्टिंग ऑपरेशन किए जाने की बातें भी चर्चा में है और समझा जाता है कि यदि स्टिंग ऑपरेशन का पुलिंदा बाहर आ गया तो भ्रष्टाचार के मामले में उन पर भी गाज गिर सकती है। कुल मिलाकर कहें तो सरकार की स्थिरता को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। वैसे भी झारखंड अलग राज्य के गठन के बाद रघुवर दास के नेतृत्व में केवल भाजपा की सरकार ही अपना पांच वर्षों का कार्यकाल पूरा कर सकी है, जबकि शेष अन्य सरकारों को समय से पहले ही अपदस्थ होना पड़ा। अब राज्य की वर्तमान सरकार का भविष्य क्या होगा, इसे लेकर दावे के साथ तो फिलहाल कुछ कहना गलत होगा, लेकिन इतना तो माना ही जा सकता है कि राजनीतिक दलों के भीतर मची उथल-पुथल से यह प्रदेश एक बार पुनः अस्थिरता की ओर बढ़ता जा रहा है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234

Join us on /mithilavarnan

Visit us on : www.varnanlive.com

(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

यात्रा वृतांत : लखनऊ मेल

-डॉ. सविता मिश्रा मागधी
बेंगलुरू, मो.- 8618093357

भाभी के घर एक समारोह था। अतः लखनऊ का कार्यक्रम बन गया। झट लखनऊ मेल में सेकंड एसी का टिकट बुक करा लिया। सागरपुर से दिल्ली स्टेशन की दूरी अच्छी खासी है। प्रचार में ओला उबर की सर्विस जितनी बेहतरीन बताई जाती, वास्तव में वह उतना ही वह रुलाने वाली है।

एक तो जल्दी बुक होगा नहीं, अगर बुक हो भी गया तो ऑनलाइन पेमेंट की जगह आपसे कैश मांगेगा। वह भी किराए से कुछ ज्यादा पैसे। आपने कैश देने से मना किया, तो बुकिंग टैक्सी वाले आपके पास नहीं आएंगे और आपकी बुकिंग कैंसिल भी नहीं करेंगे। झख मारकर आपको ही कैंसिल करना पड़ेगा। आपने इधर टैक्सी कैंसिल किया, उधर आपके अकाउंट से पचास रुपये उसके अकाउंट में डिपाजिट। आप उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकते।

किसी तरह स्टेशन पहुंची, वहां कूली से पूछकर कि लखनऊ मेल कितने नंबर प्लेटफार्म पर आएगी, आगे बढ़ गई। किसी का कहना था चार नंबर, किसी का कहना था आठ नंबर, किसी ने कहा चौदह नंबर। कोई सही नहीं बता रहा था। कारण वे मोंटी रकम ले ट्रेन पर बैठाना चाह रहे थे। जब मैंने डांटकर पूछा तो वे चिढ़कर बोले, "इनक्वायरी में पूछिए, हमें नहीं पता"। जब आप परेशान रहिए तो गूगल भी साथ नहीं देता। एक्सीलेटर से फुटब्रिज पर पहुंच बदहवास-सी डिस्प्ले बोर्ड देखने लगी।

गाड़ी सामने ही सोलह नंबर प्लेटफार्म पर लगी थी। किसी तरह भाग-भागकर बॉगी ए-वन में सात नंबर सीट पर पहुंची।

गरमी के मौसम में एसी बोगी स्वर्ग के समान राहत दे रही थी और सालों बाद रेलवे द्वारा दिया गया बेडशीट और कंबल का कहना ही क्या था। गाड़ी एक स्टेशन भी पार न की होगी कि मच्छरों ने हमला बोल दिया। अटेंडेंट्स को खोज उससे मच्छर-मार दवा स्प्रे करने की चिरौरी की। दवा स्प्रे न कर पाने की उसने अपनी मजबूरी जताई कि उन्हें यह सुविधा मुहैया नहीं कराई गई है। मैंने कहा, एसी ही तेज कर दो, ताकि मच्छरों से राहत मिले और सो सकूं। उसने एसी तेज कर दिया। गहरी नींद आई ही थी कि गरमी से आंखें खुल गईं। एसी का तापमान बहुत कम किया हुआ था। पसीना और मच्छरों से परेशान हो अटेंडेंट्स को बहुत खोजी पर वह न मिला। और हमारी ट्रेन लखनऊ में छह नंबर प्लेटफार्म पर खड़ी हो गई। मन में बस एक ही विचार आ रहा था कि कितने भी पैसे खर्च करो, रेल की हालत बदहाल ही मिलेगी।

ये कैसा विकास?

हिन्दी कविता

माहिव्रत भास्कर, खड़का (बसंत)।

क्या विकास किया समाज हमारा,
कहां बढ़ी हमारी मानसिकता है,
घरों सुरक्षित नहीं बहू- बेटियां
बाहर क्या सुरक्षित है,
कुछ हैवानों के चलते कलंकित
हो रहा गाँव, शहर और देश
हमारा।
क्या विकास किया समाज हमारा,
कहां बढ़ी हमारी मानसिकता है।।

क्यों डर नहीं रहें ये दरिंदे हमारे
कानून व्यवस्था से,
शायद बिके हो वर्दी वाले हाथों
इन दरिंदे के,
क्या जाने ये सरकारें उन परिवारों
का हाल,
जिस घर की रौनक हो गये तार
तार।
पूछो तुम उस परिवार से जिसका
घर सूना हो गया,
उन हैवानों के कारण,
कहें बेटियां मौन शब्द से मुझको
तुम न्याय दिलाओ,
इन हैवानों को तुम सजा दिलाओ
सजा दिलाओ।

इन लचरी कानून व्यवस्था के
कारण
कब तक बेटी शिकार हो हाथों
इन हैवानो के
कब मुक्त होगा देश हमारा इन
हैवानों, दरिंदों से।
क्या विकास किया समाज हमारा
कहां बढ़ीं हमारी मानसिकता है।।

आखिर कब सुरक्षित होगी बेटी
इस समाज में,
खोल के अपने पंखों को उड़ेगी
कब आसमान में
क्यों इनका सपना अधूरा ही रह
जाता है।
रोज कहीं न कहीं ऐसे घटना
सुनकर
हर बेटी के मां-बाप का कलेजा
डर से दहल जाता है।
क्या विकास किया समाज हमारा,
कहां बढ़ी हमारी मानसिकता है।।

अब नहीं रहा ये सभ्य समाज,
असभ्यता ने इसके घेर लिया है,
पाप बैठा है सिर पर इसके,
विनाश ही इसका अब लिखा है।
क्या विकास किया समाज हमारा,
कहां बढ़ी हमारी मानसिकता है।।

बज गया बिगुल... गांवों में फिर होगी अपनी सरकार

कोरोनाकाल खत्म होने के बाद दो साल देर से त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की प्रक्रिया शुरू

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर बिगुल फूंका जा चुका है। कोरोना काल खत्म होते ही दो साल देर से गांव की सरकार बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई। इसे लेकर अब संभावित उम्मीदवार जहां रेस हो गए हैं, वहीं चौक-चौराहों, नुक्कड़ों पर चर्चा का दौर भी तेज हो चुका है। गांवों में लोगों की अपनी सरकार जल्द ही एक बार फिर काम करेगी। ग्राम पंचायत सदस्य, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य के चुनाव के लिए चार चरणों में 14 मई, 19 मई, 24 मई और 27 मई को वोट डाले जाएंगे। बोकारो जिले में चार चरणों में चुनाव की घोषणा की गई है। निर्वाचन आयोग ने अधिसूचना जारी कर दी है। अब जिला प्रशासन को जल्द ही गाइडलाइन जारी करेगा। इसके साथ ही गांव की चौपाल पर गांव की सरकार की चर्चा ने जोर पकड़ लिया। बोकारो जिले में चार चरण में चुनाव होगा। पहले चरण में गोमिया और पेटरवार ब्लॉक, दूसरे चरण में बेरमो, कसमार और जरीडीह प्रखंड, तीसरे चरण में नावाडीह और चंद्रपुरा तथा चौथे चरण चास और चंदनकियारी प्रखंड में चुनाव कराने की घोषणा की गई है।

जिले में 11.28 लाख मतदाता देंगे वोट

बोकारो जिले के 249 पंचायतों के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य और वार्ड सदस्यों के चुनाव के लिए 2958 मतदान केंद्रों पर 1127824 मतदाता मतदान करेंगे। इनमें पुरूष मतदाता 586002 और महिला मतदाता 541815 के अलावा थर्ड जेंडर मतदाता 7 हैं। गर्मी को देखते हुए निर्वाचन आयोग ने सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान का समय निर्धारित किया है।

नारी पड़ेगी भारी... महिला वोटरों की तादाद बढ़ी

बोकारो जिले में इस बार आधी आबादी यानी महिलाओं का मतदान त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में इस बार खास रहेगा। इस बार महिला मतदाताओं का दबदबा रहेगा और उनका वोट निर्णायक साबित होगा। वजह यह है कि पिछले पंचायत चुनाव में शामिल महिला मतदाताओं में 8% की वृद्धि हुई है। इसमें नई महिला मतदाता भी शामिल हैं। जिला प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले पांच साल में महिला मतदाताओं की वृद्धि हुई है। सर्वाधिक महिला मतदाता गोमिया में 82104 हैं। जबकि सबसे कम महिला मतदाता कसमार प्रखंड में 33897 हैं। अन्य प्रखंडों की बात करें तो पेटरवार में 48402, बेरमो में 36068, जरीडीह में 39883, नावाडीह में 49108, चंद्रपुरा में 45512, चास में 125752, चंदनकियारी में 81089 महिला मतदाता हैं।

जानिए... कब कहां होंगे मतदान

पहले चरण का मतदान 14 मई को : पहले चरण का नामांकन 23 अप्रैल को, नामांकन पत्रों की जांच 25 व 26 अप्रैल को, नाम वापस लेने की तिथि 27 व 28 अप्रैल, चुनाव चिह्न आवंटन 29 अप्रैल, मतदान 14 मई और मतगणना 17 मई को होगी।

दूसरा चरण 27 अप्रैल से शुरू : दूसरे चरण का नामांकन 27 अप्रैल को, नामांकन पत्रों की जांच 28 से 30 अप्रैल को, नाम वापस लेने की तिथि 2 मई, चुनाव चिह्न आवंटन 4 मई को, मतदान 19 मई और मतगणना 22 मई को होगी।

तीसरे चरण की मतगणना 31 मई को : तीसरे चरण का नामांकन 2 मई को, नामांकन पत्रों की जांच 4 व 5 मई को, नाम वापस लेने की तिथि 6 व 7 मई को, चुनाव चिह्न आवंटन 12 मई, मतदान 27 मई और मतगणना 31 मई को होगी।

चौथे चरण का नामांकन 6 मई को : चौथे चरण का नामांकन 6 मई को, नामांकन पत्रों की जांच 7 से 9 मई को, नाम वापस लेने की तिथि 10 व 11 मई को, चुनाव चिह्न आवंटन 12 मई, मतदान 27 मई और मतगणना 31 मई को होगी।

निष्पक्ष व स्वच्छ चुनाव को लेकर प्रशासन कटिबद्ध : डीसी

उम्मीदवारों के खर्च पर रहेगी कड़ी नजर

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का बिगुल बज चुका है। इस बार उम्मीदवारों के खर्च पर कड़ी नजर रहेगी। वहीं, अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय पर पैनी नजर रखने के लिए अनुमंडल स्तर पर 45 व्यय प्रेक्षक नियुक्त किए गए हैं। संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान टोल फ्री नंबरों के साथ नियंत्रण कक्ष तथा शिकायत केंद्र का भी गठन किया गया है। इस बार निर्वाचन आयोग सख्त है। आयोग ने राज्य उत्पादन शुल्क विभाग और पुलिस पदाधिकारियों से कहा गया है कि वे निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान मदिरा और मादक पदार्थों के उत्पादन, वितरण, बिक्री और भंडारण पर नजर रखने को कहा है। जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी के अनुसार निर्वाचन आयोग ने अलग-अलग पद के अभ्यर्थी का निर्वाचन व्यय की सीमा तय की है। इसमें वार्ड सदस्य के अभ्यर्थी 14 हजार रुपए, मुखिया पद के उम्मीदवार 85 हजार रुपए, पंचायत समिति सदस्य के उम्मीदवार 71 हजार रुपए, जिला परिषद सदस्य के उम्मीदवार 2.14 लाख रुपए खर्च कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिले में चार चरणों मे चुनाव कराया जाएगा और निष्पक्ष व स्वच्छ चुनाव कराने को लेकर प्रशासन कटिबद्ध है। उनके साथ पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार झा, उप विकास आयुक्त कीर्तिश्री,अपर समाहर्ता सादात अनवर भी इस दौरान मौजूद रहे। डीसी ने बताया कि प्रथम चरण के चुनाव की सूचना जिला निर्वाचन पदाधिकारी 16 अप्रैल को प्रकाशित होने के साथ ही प्रथम चरण का चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। वहीं द्वितीय चरण की चुनाव प्रक्रिया 20 अप्रैल से शुरू होगी। तृतीय चरण की चुनाव प्रक्रिया 25 अप्रैल और चतुर्थ चरण की चुनाव प्रक्रिया 29 अप्रैल से शुरू हो जाएगी। चुनाव प्रक्रिया शुरू होते ही अभ्यर्थी अपने पद के लिए नामांकन करेंगे। उसके बाद अधिकारियों द्वारा नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी करेंगे। फिर अभ्यर्थी नाम वापस लेंगे। इसके बाद बाकी बचे अभ्यर्थियों को चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे।

अच्छी खबर बोकारो नें 30 प्ले ग्राउंड विकसित किए जाने की पहल सेक्टर-12 से शुरू

शहर के मैदानों में फिर गूंजेगा बाल-कोलाहल

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : अतिक्रमण की भेंट चढ़ चुके शहर के मैदानों में अब जल्द ही पहले की तरह बच्चों का कोलाहल गूंजेगा। ग्लोबल एक्टिव पार्टनर सिटी का दर्जा प्राप्त बोकारो स्टील सिटी में बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन द्वारा 30 प्ले ग्राउंड विकसित किए जा रहे हैं। बीते हफ्ते शनिवार को इस कार्य की शुरुआत सेक्टर- 12सी में चौधरी चरण सिंह मोड़ के समीप मैदान में बीएसएल नगर प्रशासन विभाग द्वारा भूमि पूजन के साथ की गई। इस मौके पर मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (नगर प्रशासन) बीएस पोपली सहित विभाग के अन्य वरीय अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे। बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश द्वारा बोकारो में स्वास्थ्य और खेलकूद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गत वर्ष घोषित इस अभियान के तहत टाउनशिप के प्रत्येक सेक्टर में औसत तीन ऐसे प्ले ग्राउंड विकसित किए जाएंगे। प्ले ग्राउंड में खेलकूद की सुविधा के साथ-साथ जॉगिंग और वॉकिंग ट्रैक भी बनाए जाएंगे। सभी प्ले ग्राउंड की फेन्सिंग और समुचित प्रकाश की व्यवस्था भी जाएगी, ताकि लोग इसका पूरा लाभ उठा सकें।

बता दें कि अब सेक्टरों में बच्चों को खेल का मैदान मिल पाएगा। बीएसएल की ओर से इसके लिए पहल शुरू कर दी गई है। सभी सेक्टरों में जहां पहले बच्चे खेला करते थे, उन मैदानों में लोगों ने घेरकर सब्जियां उगाना शुरू कर दिया था, तो कहीं खटाल खोल दिया गया। जिसकी वजह से मैदान में खेलने की जगह ही नहीं बची थी। जिससे बच्चों को खेलने-कूदने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। अब विभिन्न सेक्टरों में 30 मैदानों को खाली करवाकर उसे खेल मैदान के रूप में विकसित किया जाएगा।

साहित्य को जीवंत बनाए रखने में साहित्यलोक की महती भूमिका : झा

संवाददाता

बोकारो : चर्चित साहित्यिक संस्था साहित्य लोक की मासिक रचनागोष्ठी साहित्यकार उदय कुमार झा के सेक्टर- 2बी स्थित आवास पर हुई। मैथिली महाकाव्य 'ऊं महाभारत' के रचयिता वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ झा की अध्यक्षता व साहित्य लोक के संयोजक अमन कुमार झा के संचालन में आयोजित इस रचनागोष्ठी में साहित्य लोक के संस्थापक महासचिव व शिक्षाविद् तुला नंद मिश्र, मिथिला सांस्कृतिक परिषद के पूर्व महासचिव बलराम चौधरी, परिषद के वर्तमान उपाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार, रंगकर्मी बटोही कुमार, शिक्षक पी के झा 'चंदन', अधिवक्ता विश्वनाथ झा, साहित्यकार अमीरीनाथ झा अमर, उदय कुमार झा, संजय कुमार झा, स्मिता चौधरी, नीलम झा, डॉ रणजीत कुमार झा, अरुण पाठक, अमन कुमार मिश्र आदि शामिल हुए। रचनागोष्ठी में राजेन्द्र कुमार ने मैथिली में 'बौआ बौआ', स्मिता चौधरी ने बीहनि कथा 'बौआ सिंह' व भगवती वंदना 'जय कमलासिन करूणा', अमन कुमार झा ने कविता दूर सं निहारला पर सभ ह्यसुन्नरे-सुन्नर व कहानी संस्था, बटोही कुमार ने नाटकक चरित्र, संजय कुमार झा ने हिन्दी रचना पुरुष और प्रकृति का मिलन, पं. उदय कुमार झा ने संस्कृत में स्वागतम् व मैथिली में गाम घर माहेश्वरी एवं वृद्ध शीर्षक कविता सुनाकर सबकी प्रशंसा पाई। बलराम चौधरी ने संस्मरण सुनाए। उन्होंने बोकारो की साहित्यिक ऊर्जा को गति देने में साहित्य लोक के योगदान को प्रशंसनीय बताया। अध्यक्षीय काव्यपाठ करते हुए बुद्धिनाथ झा ने अपने महाकाव्य ऊं महाभारत से कर्ण व कुंती संवाद सुनाकर सबको प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि बोकारो के साहित्यिक माहौल को जीवंत बनाने में साहित्य लोक की महती भूमिका रही है। पठित रचनाओं पर समीक्षा टिप्पणी तुला नंद मिश्र, बुद्धिनाथ झा, स्मिता चौधरी आदि ने दी।

बीटीपीएस व सीटीपीएस टॉप 10 में

पीएलएफ में सेंट्रल थर्मल पावर सेक्टर के बेहतरीन प्रदर्शन में डीवीसी के तीन पावर प्लांट

संवाददाता
बोकारो थर्मल : मार्च माह में प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) के मामले में देश के दस थर्मल पावर प्लांटों में डीवीसी के तीन थर्मल पावर प्लांटों को शामिल किया गया है। डीवीसी के जिन तीन पावर प्लांटों को शामिल किया गया है, उनमें बोकारो थर्मल, चंद्रपुरा एवं कोडरमा के पावर प्लांट शामिल हैं। पहले स्थान पर 390 मेगावाट के मुजफ्फरपुर पावर प्लांट का पीएलएफ 99.55 फीसदी रहा। दूसरे स्थान पर 1600 मेगावाट के दरलीपाली स्थित एनटीपीसी का पीएलएफ 99.24 फीसदी रहा। तीसरे स्थान पर 1980 मेगावाट के नबीनगर का पीएलएफ 97.45, चौथे स्थान पर 3000 मेगावाट के तालचर पावर प्लांट का 97.01, पांचवे स्थान पर 500 मेगावाट के भिलाई प्लांट का 96.61, छठे स्थान पर 500 मेगावाट के डीवीसी बोकारो थर्मल पावर प्लांट का पीएलएफ 96.53, सातवें स्थान पर 420 मेगावाट के नेवेली प्लांट का 95.58, आठवें स्थान पर 1000 मेगावाट के डीवीसी कोडरमा प्लांट का 95.54, नौवें स्थान पर 3000 मेगावाट के एनटीपीसी रिहंद प्लांट का 95.50 तथा दसवें स्थान पर 500 मेगावाट के डीवीसी चंद्रपुरा पावर प्लांट का 94.60 फीसदी रहा।

बाल विवाह कानूनी अपराध, इससे खत्म हो जाता है बचपन : डॉ. प्रभाकर

संवाददाता
बोकारो : माराफारी के घोंइचा टोला के सामुदायिक भवन प्रांगण में बाल अधिकार संरक्षण जागरूकता अभियान के तहत बाल अधिकार कार्यकर्ता सह मनोवैज्ञानिक डॉ. प्रभाकर कुमार ने बच्चों व ग्रामीणों को कानूनी जानकारी दी। डॉ. प्रभाकर ने बाल अधिकारों की चर्चा करते हुए बाल विवाह को कानूनी अपराध बताया। कहा कि समाज में घटित बाल विवाह होने से इसके दुष्प्रभाव में बच्चे बाल अधिकारों से वंचित हो जाते हैं, शिक्षा बाधित हो जाती है, बचपन खत्म जाता है, बच्चे का मानसिक विकास अवरुद्ध हो जाता है। यही नहीं, जल्दी मां बनने से कुपोषित बच्चे का जन्म, अशिक्षा, छोटी उम्र में परिवार की जिम्मेदारी, महिला हिंसा आदि की समस्या उत्पन्न होती है। डॉ. प्रभाकर ने जागरुकता के

माध्यम से बाल विवाह के दुष्प्रभाव की जानकारी बच्चों के माता-पिता व अभिभावकों को दी। बाल विवाह बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य व सरंक्षण पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। इस दौरान बताए गए विषयों से बच्चों से प्रश्न पूछकर उन्हें पुरस्कृत किया गया। बच्चों को चॉकलेट, स्टेशनरी सामग्री देकर उनका उत्साह बढ़ाया। मौके पर अभिषेक आनंद, पीयूष पल्लव, ऋषभ कुमार, कृष्णा कुमार आदि मौजूद थे।

प्रेरणा डीपीएस, चास में 12वीं के छात्र-छात्राओं को दी गई भावभीनी विदाई

परिश्रम, लगन और अनुशासन ही है सफलता की कुंजी : डॉ. हेमलता

संवाददाता
बोकारो : राज्य के सर्वश्रेष्ठ विद्यालयों में से एक डीपीएस, चास (बोकारो) में शनिवार को अविस्मरणीय और भावुक क्षण था, जब बारहवीं कक्षा के (2021-22) विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से विदाई उत्सव के साथ विदाई दी गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में (विद्यालय की मुख्य संरक्षिका एवं अध्यक्ष सीसीआरटी), डॉ. हेमलता एस मोहन, प्रभारी प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे सहित दर्जनों शिक्षक एवं सैकड़ों विद्यार्थी मौजूद थे। समारोह का आरंभ अतिथियों के स्वागत में बाल-वृक्ष प्रदान कर दीप-प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। गीत-संगीत की धारा से कार्यक्रम को गति प्रदान की गई। इस दौरान पूर्व हेड ब्वाय सृजन सिन्हा ने विद्यालय से प्राप्त अपने अनुभव एवं शैक्षिक विशेषताओं के विषय में वर्तमान छात्रों को अवगत कराया। ग्यारवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत समूह-नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।

तत्पश्चात बारहवीं कक्षा के कुछ छात्रों, साद्विक मोहम्द ने बॉक्स बीटिंग कर, सुब्रत राज और प्रफुल्ल प्रधान ने कर्णप्रिय गीत गाकर अपनी कला का प्रदर्शन कर दर्शकों का मनमोह लिया। समारोह में बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने सामूहिक नृत्य किया। तत्पश्चात विभिन्न विद्यालयी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पदक प्रदान किया गया। डॉ. मोहन ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में सफलता का मूलमंत्र है- परिश्रम, लगन, विनम्रता, आत्मविश्वास और अनुशासन। जो विद्यार्थी इन गुणों को विकसित करेगा, वह अपना लक्ष्य अवश्य प्राप्त करेगा। उन्होंने अपने आशीर्वचनों से विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं।

समारोह को संबोधित करते हुए श्रीमती भुस्कुटे ने भी रुचि के अनुसार करियर चुनने का संदेश दिया। वर्तमान लिटरेरी सेकरेट्री बबलीन कौर ने धन्यवाद ज्ञापन और संचालन वर्तमान हेड ब्वाय हेमंत कुमार और हेड गर्ल खुशी कुमारी ने किया।

हफ्ते की हलचल

उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ व्रत संपन्न

बोकारो : महापर्व चैती छठ में शुक्रवार की सुबह व्रतियों ने छठ घाटों में उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया। परिवार की सुख-शांति के लिए मंगल कामना की। व्रतियों ने दूध, पुष्प और जल से अर्घ्य अर्पित किया। इसी के साथ चार दिवसीय छठ व्रत संपन्न हो गया। शहर के टू टैंक गार्डेन, गरगा नदी, सूर्य सरोवर सहित अपने-अपने घरों में बनाए घाटों पर अर्घ्य प्रदान किया। अर्घ्य अर्पित करने के बाद व्रती और उनके साथ आए श्रद्धालु छठ मइया के पारंपरिक गीत गाते हुए अपने-अपने घरों को लौटे और घरों में पूजा-अर्चना करने के बाद व्रत का पारण किया। इस अवसर पर कई धार्मिक स्वयंसेवी संगठनों द्वारा छठ घाटों पर श्रद्धालुओं के बीच फल, दूध, पूजन सामग्री, दतुवन आदि का वितरण भी किया। सूर्य उपासना के चैती छठ महापर्व पर बहुत से श्रद्धालुओं की ओर से अपने घर में बनाए कृत्रिम तालाब या टब में पानी भरकर भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। वहीं, कई व्रतियों ने घरों के आंगन में बड़े आकार के टब में पानी भरकर सूर्यदेव की आराधना की। व्रती प्रसाद एवं पूजन सामाग्री से सूप व दौरा सजाकर भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के लिए नदी और तालाब में बने छठ घाट पहुंचे।

बीएसएल के 116 कर्मियों को दीर्घकालीन सेवा सम्मान

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट में 25 सालों की सेवा दे चुके 116 इस्पातकर्मियों को शनिवार को आयोजित एक समारोह में दीर्घकालीन सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मानव संसाधन विकास केंद्र के प्रेक्षागृह में आयोजित इस समारोह में बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश मुख्य अतिथि रहे। अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन तथा कार्मिक एवं प्रशासन) वी के पाण्डेय, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) संजय कुमार, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (परियोजनाएं) निर्मलेंदु रे, चीफ मेडिकल ऑफिसर (बीजीएच) पंकज शर्मा, मुख्य महाप्रबंधकगण तथा अन्य वरीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। समारोह के आरम्भ में मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) पवन कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया और पच्चीस वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मियों को बधाई दी। निदेशक प्रभारी ने अपने उद्बोधन में दीर्घकालीन सेवा सम्मान प्राप्त करने वाले कर्मियों को बधाई दी और संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और योगदान के लिए उनके प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि इस्पातकर्मियों के इस समूह का अनुभव और उत्साह बीएसएल को उत्कृष्टता के शिखर पर ले जाने में अहम भूमिका निभाएगा। मंचासीन अधिशासी निदेशकों ने भी दीर्घकालीन सेवा सम्मान प्राप्त करने वाले कर्मियों के योगदान की सराहना की। साथ ही उन्हें इस्पात उद्योग की मौजूदा अनुकूल परिस्थितियों का अधिकाधिक लाभ उठाने और संयंत्र को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने का संदेश दिया। समारोह में 41 अधिशासी व 75 अनधिशासियों को दीर्घकालिक सेवा प्रमाण पत्र व उपहार निदेशक प्रभारी एवं अन्य अतिथियों द्वारा दिए गए।

बीजीएच व चासनाला डिस्पेंसरी के बीच टेलीमेडिसिन सुविधा शुरू

बोकारो : बोकारो जनरल अस्पताल और चासनाला डिस्पेंसरी के बीच टेली कंसलटेशन व टेलीमेडिसिन की सुविधा चीफ मेडिकल ऑफिसर (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. पंकज शर्मा के मार्गदर्शन में तथा अधिशासी निदेशक (कोलियरीज) बीके तिवारी के सहयोग से शुरू की गई। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन) संजय तिवारी, चीफ मेडिकल ऑफिसर (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. प्रकाश पांडे, एडिशनल सीएमओ (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. वर्षा घनेकर, एडिशनल सीएमओ (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. एस समद्दर, महाप्रबंधक (टेक.सर्व) एस बनर्जी, उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) एस सिंघा, सहायक महाप्रबंधक (पी एंड ए) अजय कुमार, सहायक सीएमओ डॉ. पूनम कुमारी, पी आर बारिक, चिन्मय बंसल, राजेश के मीणा, पी के रंजन तथा मरीज मोना देवी के साथ चासनाला डिस्पेंसरी के कर्मचारी जुड़े हुए थे। टेली कंसलटेशन के दौरान चिकित्सकों ने मोना देवी से बातचीत की तथा उनके इलाज के लिए आवश्यक दवाएं लेने का निर्देश दिया। बीएसएल के कोलियरी डिवीजन में शामिल चासनाला, जीतपुर आदि कोलियरी में कार्यरत कर्मी इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। टेलीमेडिसिन की सुविधा शुरू हो जाने से अब दूर-दराज के मरीज यदि बीजीएच के विशेषज्ञ डॉक्टरों की राय या परामर्श लेना चाहते हैं, तो वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

कल्याण सेवा ट्रस्ट को ईएसएल ने दी मोबाइल मेडिकल यूनिट

बोकारो : बोकारो : वेदांता समूह की कम्पनी ईएसएल स्टील लिमिटेड ने विश्व कल्याण सेवा ट्रस्ट को मोबाइल मेडिकल यूनिट प्रदान की है। विश्व कल्याण सेवा ट्रस्ट एक एनजीओ है, जिसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल की सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। मोबाइल मेडिकल यूनिट अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक सुविधाओं से लैस होगी और इसके साथ एक समर्पित मेडिकल टीम होगी, जिसमें डॉक्टर, लैब टेक्नीशियन और फार्मासिस्ट शामिल होंगे। इस रणनीति का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा को आबादी, अगम्य ग्रामीण क्षेत्रों के दरवाजे तक ले जाना है। ये इकाइयां पूरे वर्ष सेवाएं प्रदान करेंगी, जिससे ग्रामीण समुदायों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाने में मदद मिलेगी। झारखंड के परिवहन मंत्री चंपाई सोरेन की उपस्थिति में इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ, जहां ईएसएल के सीईओ एनएल वट्टे ने परिवहन मंत्री के आवास पर विश्व कल्याण सेवा ट्रस्ट को एमएमयू सौंप दिया। इस अवसर पर विश्व कल्याण सेवा के संस्थापक ट्रस्ट श्री रूप कुमार स्वामी जी, सीएसआर हेड ईर एंड पीआर, आशीष रंजन और उप प्रबंधक सीएसआर राकेश मिश्रा भी उपस्थित थे।

झारखंड में अग्रवाल समाज को जाति प्रमाणपत्र न मिलने पर आक्रोश

अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा ने जताई नाराजगी, विस अध्यक्ष को दिया ज्ञापन

संवाददाता

बोकारो : अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने झारखंड में अग्रवाल समाज का जाति प्रमाण पत्र नहीं होने पर नाराजगी जतायी। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो से मिलकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने बताया कि अग्रहरि वैश्य अग्रवाल समाज, जो खतियाननी रैयत के रूप में 1932 से पहले से यहां निवास करते आ रहे हैं, प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण होने के कारण पिछले कुछ वर्षों से अग्रवाल समाज का जाति प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड में लगभग नौ लाख से अधिक संख्या में अग्रहरी वैश्य समाज के लोग निवास करते आ रहे हैं। खतियान में दर्ज जाति अग्रवाल, अग्रवाला एवं मारवाड़ी, लिखा हुआ हैं, लेकिन अग्रवाल कोई जाति

नहीं, बल्कि वे अग्रवाल श्री महाराजा अग्रेसन जी के वंशज हैं और ये उनके पूर्वजों का सरनेम है। समाज के कुल 18 गोत्र हैं। उक्त बातों को लेकर धनबाद के वर्तमान विधायक राज सिन्हा ने विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रश्न विधानसभा के पटल पर उठाया था। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के अनुसार इसमें कहा गया कि भू-अभिलेख, निबंधन कागजात, पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम एवं स्थानीय जांच के माध्यम से भी किसी व्यक्ति की जाति तय की जा सकती है। प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के अनुसार कहा गया है कि भू अभिलेख रिकॉर्ड ऑफ राइट्स रीजनल अथवा मुंसिपल निबंध कागजात पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम एवं स्थानीय जांच के माध्यम से किसी व्यक्ति की जाति तय की जा सकती है।

प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा जारी नया जाति सर्कुलर के द्वारा भी यह प्रावधान है, लेकिन प्रक्रिया इतनी लंबी है कि सारी प्रक्रिया से गुजरने के बावजूद जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं हो पा रहा है। इसके चलते समाज के लोगों को शिक्षा, नौकरी तथा छात्रवृत्ति से भी वंचित होना पड़ रहा है। श्री अग्रवाल ने कहा कि उक्त बातों को लेकर जल्द ही महामहिम राज्यपाल से भी मिलकर ज्ञापन सौंपेंगे।

झारखंड में पंचायत चुनाव की घोषणा ओबीसी के साथ धोखा : चौधरी

संवाददाता

बोकारो : जनता दल यू के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक चौधरी ने ट्रिपल टेस्ट कराए बगैर राज्य में पंचायत चुनाव कराने पर आपत्ति जताई है। उन्होंने विरोध करते हुए कहा है कि झारखंड सरकार सुनियोजित तरीके से पंचायत चुनाव में ओबीसी के साथ धोखाधड़ी कर रही है। उन्होंने कहा कि बगैर ट्रिपल टेस्ट के पंचायत चुनाव में जाने से हजारों पदों पर ओबीसी के लोग सुशोभित होने से, जनहित कार्य करने से तथा जनतांत्रिक शक्ति प्राप्त करने से वंचित रह जाएंगे। उन्होंने कहा कि उक्त निर्णय ओबीसी के गला घोटने के समान है। श्री चौधरी ने कहा कि झामुमो के साथ-साथ कांग्रेस, राजद के लोगों को भी झारखंड में ओबीसी के साथ हो रही नाइंसाफी का जवाब देना होगा, क्योंकि उक्त निर्णय में ये भी सम्मिलित हैं। श्री चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा केंद्रीय वित्तीय सहायता का नुकसान के नाम पर बगैर ट्रिपल टेस्ट कराए पंचायत चुनाव में जाने पर जनता दल यू पुरजोर विरोध करती है। उन्होंने कहा कि जनवरी 2021 से पंचायत चुनाव लंबित है, उसका आज तक राज्य सरकार यथार्थ जवाब नहीं दे पायी और अब ट्रिपल टेस्ट के बेंचमार्क को पूरा करने हेतु समय लगने का नाम लेकर 65 प्रतिशत ओबीसी को पंचायत चुनाव में उनके प्रतिनिधित्व से वंचित नहीं किया जा सकता। श्री चौधरी ने कहा कि खतियानी आंदोलन की आड़ में ओबीसी के साथ बड़ा छल किया जा रहा है। खतियानी आंदोलन में उच्च जाति के लोग और आदिवासियों की संख्या अत्यंत नगण्य है। ओबीसी को 27% आरक्षण की जगह 14% आरक्षण झारखंड में मिल रहा है, उसकी लड़ाई को जनता दल यू लड़ेगी। सरकार ओबीसी को जनसंख्या के अनुपात से 27% आरक्षण देने की दिशा में काम करने की जगह पंचायत चुनाव में उसे उसके अधिकारों से वंचित करने जा रही है। श्री चौधरी ने कहा कि 16 अप्रैल को रांची की बैठक में इस विषय पर पार्टी आंदोलन की रूपरेखा तय करेगी।

पुनौरा धाम में बनेगी मां सीता की सबसे ऊंची प्रतिमा

मिथिला डायरी

विशेष संवाददाता

सीतामढ़ी : सीतामढ़ी जिले में आस्था और पर्यटन की एक और अनूठी धरोहर जल्द मूर्त रूप में होगी। मां सीता की प्राकट्य स्थली प्रसिद्ध पुनौराधाम में अगले वर्ष जानकी नवमी तक बालरूप में माता सीता विराजमान रहेंगी। इसके लिए यहां माता सीता के बाल स्वरूप मंदिर का निर्माण कराए जाने की पहल की गई है। पुनौरा के सीता कुण्ड के पश्चिमी घाट पर मंदिर निर्माण का काम शुरू है। इसको लेकर धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य आचार्य किशोर कुणाल ने हाल ही में सीतामढ़ी का दौरा कर स्थानीय लोगों से गहन विचार-विमर्श किया था। अगले साल तक मंदिर बनाने का संकल्प लिया गया है। जानकारी के अनुसार मंदिर के पहले तल पर मां जानकी प्राकट्य रूप में, दूसरे तल पर उनका बाल स्वरूप, तीसरे तल पर माता सीता अपने परिवार के सदस्यों के साथ विराजमान होंगी। पुनौरा धाम के महंत कौशल किशोर दास बताते हैं कि 2012 में संत रामभद्राचार्य जी महाराज ने इस मंदिर का शिलान्यास किया था। जन सहयोग से नींव और जमीन तक का काम पूरा कराया जा चुका है। आगे का कार्य न्यास समिति और जनसहयोग से होना है। अभी काम बंद है। जल्द ही कार्य शुरू होगा। उल्लेखनीय है कि 2012 में तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी राम भद्राचार्य ने महंत कौशल किशोर दास महाराज के साथ इं. रघुनाथ गुप्ता के सहयोग से तीन मंजिला बाल रूप जानकी मंदिर का नक्शा तैयार कराकर सीता कुण्ड के पश्चिमी भिण्डा पर इसका शिलान्यास किया था। 2018 में रामानंदाचार्य जयंती पर सीता रसोई का शुभारंभ किया गया। तब आचार्य किशोर कुणाल ने बाल रूप जानकी मंदिर का निर्माण महावीर मंदिर न्यास की ओर से कराने का प्रस्ताव रखा था।

विश्व के महानतम डब्ल्यूजीआर रिकॉर्ड में शामिल हुए डॉ. आरके हाजरा

विशेष संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के वरिष्ठ एक्यूपंक्चर चिकित्सक डॉ. राजेन्द्र कुमार हाजरा को उनकी उपलब्धियों एवं विशेषता के लिए 'वर्ल्डस ग्रेटेस्ट रिकॉर्ड्स' (विश्व के महानतम रिकॉर्ड्स) में शामिल करते हुए सम्मानित किया गया है। उन्हें प्रेषित प्रशस्ति-पत्र में कहा गया है कि डॉ. हाजरा देश के एकमात्र अग्रणी चिकित्सक हैं, जो रीढ़ की हड्डी के रोगों का इलाज एक्यूपंक्चर पद्धति से करते हैं। 12 फरवरी, 2022 को अमेरिकी विश्वविद्यालय, अमेरिका ने एक्यूपंक्चर थेरेपी और तकनीकों को विकसित करने में उनके योगदान के लिए मानद डॉक्टरेट से सम्मानित किया। वे भारत के एकमात्र एक्युपंक्चर भौतिक विज्ञानी हैं, जिन्हें प्रसिद्ध अमेरिकी विश्वविद्यालय से यह सम्मान मिला है। उन्होंने भारत में इस विकल्प के द्वारा सर्वाधिक रोगियों को ठीक कर एक नया डब्लू.जी.आर. रिकॉर्ड स्थापित किया है।

रुद्र के एकादश अवतार श्रीहनुमान

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

16 अप्रैल, 2022, हनुमान जयंती पर विशेष

हनुमान रुद्र के एकादश अवतार हैं। रूद के 10 अवतार 10 महाविद्या के एक रूप के साथ स्थित हैं, पर हनुमान अकेले हैं। जब श्रीराम अवतरित हुए तब उनके कार्यभार को संभालने के लिए हनुमान धरती पर आए। बिना उनके सहयोग के श्रीराम अपने उद्देश्य को कैसे प्राप्त करते? हनुमान के बिना राम राजा राम नहीं बन सकते थे। हनुमान रूप में शिव आये थे श्रीराम के कार्य संवारने के लिए, उनके शत्रुओं का संहार करने के लिए। इसीलिए तुलसीदास जी लिखते हैं-

सेवक स्वामी सखा सिय पी के
हेतु निरूपधि सब विधि तुलसी के।

यानी हनुमान जी रामायण में कर्ता भी हैं और द्रष्टा भी। परंतु एक प्रश्न फिर भी उठता है कि हनुमान का स्वरूप कपि की तरह क्यों है?

स्वयं हनुमान विभीषण जी से कहते हैं सुंदरकाण्ड में-

प्रात लेई जो नाम हमारा
तेहि दिन ताहि न मिलै अहारा

सुबह-सुबह जो कपि का नाम ले ले, उसे आहार नहीं मिलता है।

हनुमान का कपि शरीर वास्तव में एक रूपक है। बंदर मन का प्रतीक है। क्योंकि, उसकी प्रवृत्ति है कि वह उछल-कूद करता रहता है। श्रीराम का अर्थ रमना है, ब्रह्म में रम जाना राम है। पर रमने के मार्ग में बाधा बनकर मनुष्य का मन आता है।

हनुमान में एकाग्रता कूट-कूट कर भरी हुई है। राम के अलावा हनुमान के लिए हनुमान के लिए कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं है। इतिहास में एकमेव भक्त हनुमान हैं, जो अपना सीना चीर कर उसमें अपने इष्ट की मूरत दिखा सकते हैं। यही गुण हनुमान को अन्य भक्तों से अलग कर देता है, उन्हें संकटमोचक बना देता है।

भक्तों में हनुमान के समान और कोई दिखाई नहीं देता है, जो उन्हें भक्त शिरोमणि बना देता है। प्रह्लाद के लिए ईश्वर को आना पड़ता है उन्हें बचाने। अर्जुन को भगवान श्री कृष्ण को समझाना-बुझाना पड़ता है कि वह उनका कार्य करें। 18 अध्याय बोल देते हैं भगवान गीता के रूप में। मगर हनुमान तो स्व-प्रेरित (सेल्फ मोटिवेटेड) हैं।

प्रभु कारज लगि कपिहि बंधावा

प्रभु का कार्य हनुमान का कार्य है। अर्थात हनुमान ईश्वर को अनुमति देते हैं कि उनके माध्यम से सृष्टि के बड़े उद्देश्य सिद्ध हों। यह गुण हनुमान को सभी से अलग करके उन्हें प्रभु श्री राम का संकटमोचक बना देता है।

कौन सो संकट मोर गरीब को
जो तुम उससे नहिं जात है टारो

श्री राम के संकटों का नाश करने वाले हनुमान हर व्यक्ति के शत्रुओं का नाश करने में सक्षम हैं। बस! हनुमान को पाना है तो श्रीराम को बुलाना होगा। जो राम में रम गया, उसे हनुमान मिल ही जाते हैं।

शिव के एकादश रुद्र अवतार में हनुमान सहचरी विहीन हैं। फिर हनुमान शक्ति से जुड़े बिना कार्य कैसे कर रहे हैं? हनुमान में ब्रह्मचर्य की शक्ति है। यहां तक कि ब्रह्मचारियों में लंगोट बांधने की परंपरा हनुमान से आई है। हनुमान साक्षात उदाहरण हैं कुण्डलिनी शक्ति के ऊर्ध्व रोहण का। उनका शरीर को छोटा-बड़ा कर लेना, आठ सिद्धियों से युक्त, नौ प्रकार की निधियों का प्रभुत्व सब सिद्ध करते हैं। हनुमान जाग्रत, शक्तिमान भक्त हैं।

शाश्वत अमर हैं हनुमान

भगवान सूर्य ने हनुमान जी को अपने तेज का सौवां भाग देते हुए कहा कि जब इसमें शास्त्र अध्ययन करने की शक्ति आ जाएगी, तब मैं ही इसे शास्त्रों का ज्ञान दूंगा, जिससे यह अच्छा वक्ता होगा और शास्त्र ज्ञान में इसकी समानता करने वाला कोई नहीं होगा।

धर्मराज यम ने हनुमान जी को वरदान दिया कि मेरे दंड से अवध्य और निरोग होगा।

यक्षराज कुबेर ने वरदान दिया कि इस बालक को युद्ध में कभी विषाद नहीं होगा तथा मेरी गदा संग्राम में भी इसका वध न कर सकेगी।

भगवान शंकर ने यह वरदान दिया कि यह मेरे और मेरे शस्त्रों द्वारा भी अवध्य रहेगा।

देव शिल्पी विश्वकर्मा ने वरदान दिया कि मेरे बनाए हुए जितने भी शस्त्र हैं, उनसे यह अवध्य रहेगा और चिरंजीवी होगा।

देवराज इंद्र ने हनुमान जी को यह वरदान दिया कि यह बालक आज से मेरे वज्र द्वारा भी अवध्य रहेगा।

जल देवता वरुण ने यह वरदान दिया कि दस लाख वर्ष की आयु हो जाने पर भी मेरे पाश और जल से इस बालक की मृत्यु नहीं होगी।

परम पिता ब्रह्मा ने हनुमान जी को वरदान दिया कि यह बालक दीघार्यु, महात्मा और सभी प्रकार के ब्रह्मदण्डों से अवध्य होगा। युद्ध में कोई भी से जीत नहीं पाएगा। यह इच्छा अनुसार रूप धारण कर सकेगा। जहां चाहेगा, जा सकेगा। इसकी गति इसकी इच्छा के अनुसार तीव्र या मंद हो जाएगी।

इसके अलावा जब हनुमान जी माता सीता को खोजते हुए अशोक वाटिका पहुंचे थे, तब माता सीता ने उन्हें अमरता का वरदान दिया था।

सर्वव्यापी हैं हनुमान

आज पृथ्वी पर अर्थ और काम, धर्म से नियंत्रित नहीं है, जिसके कारण ही विभिन्न दोष पुष्पित-पल्लवित और फलित हो रहे हैं, जिनमें फंसकर व्यक्ति, देश राष्ट्र व समाज के प्रति अपने कर्तव्य से विमुख होता जा रहा है और जो थोड़ी-बहुत आध्यात्मिकता का अंश मात्र शेष बचा है, वह भी झूठे, ढोंगी पाखंडियों की दुष्ट प्रवृत्तियों के कारण नष्ट होता जा रहा है। ऐसी दुःखद स्थिति में, जबकि चारों ओर दुष्ट प्रवृत्तियों का ही बोलबाला है और व्यक्ति पतन की गर्त में धंसता ही चला जा रहा है, ऐसे में उसके लिए तथा समाज व देश के हितार्थ हनुमान साधना सिद्धि परम आवश्यक मानी गई है।

चारों पुरुषार्थ- धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को नियंत्रित करने की क्षमता श्री हनुमान की उपासना से ही प्राप्त होती है। क्योंकि, वह अष्ट सिद्धियों व नव निधियों के दाता हैं। कुमति को समाप्त करने वाले हैं, सुमति को प्रदान करने वाले हैं। श्री हनुमान जन्म और मृत्यु के भय को समाप्त कर संपूर्ण कष्टों व बाधाओं का हरण करने वाले हैं। भूत-प्रेत, राक्षस आदि श्री हनुमान के नाम के प्रताप से ही भाग जाते हैं और मनुष्य भय रहित हो जाता है।

श्री हनुमान अपने भक्तों का क्लेश दूर करने के लिए दारुण दावानल के समान हैं, सर्व काम पूरक हैं, संकट रूपी प्रलय घनघटा को विदीर्ण करने वाले और सर्वव्यापी हैं। ऐसे देव की साधना-उपासना करना ही सर्वश्रेष्ठ सौभाग्य की प्राप्ति है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) – स्वास्थ्य पर ध्यान दें। मित्रों एवं सम्बंधियों से रिश्ते बनाकर रखें। अकारण यात्रा के योग बनेंगे। धन की हानि हो सकती है। मन में अशांति होगी। सप्ताहांत तक स्थितियों में सुधार होंगे।

वृष (ई उ ए ओ वा वी वू वे वो) – स्वास्थ्य में सुधार होंगे। वाणी पर संयम रखें। अनावश्यक खर्च होंगे। कार्य एवं पद में हानि हो सकती है। मित्रों का शत्रुता का व्यवहार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा का ह्रास होगा।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) – स्वास्थ्य में सुधार होगा। क्रोध पर काबू रखें। बन्धुजनों से लाभ होंगे। भाग्य में वृद्धि होगी। पदोन्नति के लिए समय ठीक है। पिता से लाभ प्राप्त होंगे। शत्रुओं पर विजय।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) – रोगमुक्त होंगे। गलत चरित्र के लोगों से दूरी बनाएं। कार्यों के सफलता में देर हो सकती है। धनागम के योग बनेंगे। शत्रुओं पर विजय।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) – स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। स्त्री से सम्बन्ध सुधरेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। शत्रुओं पर विजय होगी। मन में चंचलता रहेगी। उत्तम भोजन एवं वस्त्र सुख प्राप्त होंगे। भाइयों से रिश्ते बनाकर रखें लाभ होगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) – बुरे कर्मों के फल प्राप्त होंगे। शरीर में पीड़ा होगी। बवासीर या अपच का शिकार हो सकते हैं। धन का अधिक खर्च होगा। शत्रुओं से झगड़े होंगे। मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) – स्वास्थ्य में सुधार होंगे। धन की प्राप्ति के योग बनेंगे। व्यापार में अच्छा लाभ होगा। स्त्रीवर्ग से लाभ। तरल पदार्थों से लाभ होगा। उत्तम भोजन,वस्त्र और शय्या सुख की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) : सुख आनन्द का अनुभव करेंगे। रोग मुक्त होंगे। स्वजनों से मनमुटाव होंगे। वाणी पर संयम रखें। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगा। सप्ताहांत में थोड़ी मानसिक चिंता बढ़ सकती है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) – स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यवसाय में हानि हो सकती है। भाग्य साथ नही देंगे। सप्ताहांत तक अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। राज्याधिकारियों से वाद-विवाद हो सकते हैं। स्त्री सुख मिलेगा।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) – स्वास्थ्य अच्छा होगा। सभी कार्यों में सफलता मिल सकती है। उच्चाधिकारी प्रसन्न होंगे। मित्रों से सहायता मिलेगी। पदोन्नति होगी। व्यय अधिक हो सकते हैं।

कुम्भ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) – स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पेट सम्बन्धी समस्या हो सकती है। शत्रु परेशान करेंगे। व्यवसाय में हानि हो सकती है।सप्ताह के मध्य में धन एवं सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मीन (दी दू थ झ दे दो चा ची) – स्वास्थ्य लाभ होगा। यश और आनन्द की प्राप्ति होगी। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यय में अधिकता होगी। वाणिज्य व्यवसाय में लाभ हो सकता है। छोटी पर लाभ दायक यात्रा हो सकती है।

अधिक जानकारी के लिए
संपर्क करें– 7808820251

स्पेशल ओलंपिक भारत की मुहिम का हिस्सा बना बीएसएल

अब साकार होगा समावेशी विकास का सपना : अमरेन्दु

संवाददाता

बोकारो : मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्य धारा में स्वास्थ्य और खेल-कूद के माध्यम से जोड़ने की मुहिम को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सेल-बोकारो स्टील प्लांट ने स्पेशल ओलंपिक भारत के साथ हाथ मिलाने का फैसला किया है। इसी कड़ी में बीते हफ्ते नगर के सेक्टर 5 स्थित एनआईपीएम सभागार में ऐसे बच्चों के लिए एक हेल्थ स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव की पृष्ठभूमि में बोकारो सहित यह आयोजन देश के 75 शहरों में एक साथ आयोजित किया गया, जिसमें एक ही दिन में पूरे भारत में 75000 ऐसे बच्चों (एथलीटों) की स्क्रीनिंग करने का लक्ष्य रखा गया था। देश भर के लगभग 7500 डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मी भी इस कार्य में अपनी स्वैच्छिक सेवाएं दीं।

झारखंड में इस स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन बोकारो और जमशेदपुर में किया जा रहा है। बोकारो हेल्थ स्क्रीनिंग कैंप में बोकारो, धनबाद और रांची के लगभग 300 मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों ने भाग लिया। इसमें आशा लता केंद्र बोकारो के अलावा धनबाद के जीवन ज्योति और पहला कदम तथा रांची की संस्था दीपशिखा के बच्चे भी शामिल थे। इस पूरे कार्यक्रम को बोकारो स्टील प्लांट द्वारा सीएसआर पहल के तहत प्रायोजित किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में उपस्थित बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश ने कहा कि इन बच्चों को खेल-कूद और स्वास्थ्य के माध्यम से मुख्यधारा में लाने के इस अभियान का हिस्सा बनना सेल-बोकारो स्टील प्लांट के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि बोकारो स्टील प्लांट स्पेशल ओलम्पिक भारत के साथ मिलकर इस मुहिम को आगे ले जाने की दिशा में कार्य करता रहेगा। उन्होंने कहा कि बोकारो स्टील सिटी पहले ही देश के प्रथम ग्लोबल एक्टिव पार्टनर सिटी के रूप में पहचान बना चुकी है और अब इस अभियान के साथ जुड़कर समावेशी विकास का सपना सही मायनों में साकार हो पाएगा। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए बच्चों, उनके अभिभावक, स्वास्थ्य कर्मी और स्पेशल ओलंपिक भारत के प्रति आभार प्रकट किया। उद्घाटन सत्र में बीएसएल के अधिशासी निदेशक, सीजीएम और अन्य वरीय अधिकारी भी मौजूद थे।

स्पेशल ओलंपिक भारत (झारखंड) के सहायक क्षेत्र निदेशक सतवीर सिंह सहोटा ने इस आयोजन में सहयोग के लिए बीएसएल की सराहना की। स्वास्थ्य जांच शिविर के आरंभ में बीएसएल के डीजीएम सीएसआर सीआरके सुधांशु ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन उप प्रबन्धक (एमएम) तनु प्रिया ने किया। पूर्वाहन 11 बजे पूरे देश में बच्चों और प्रतिभागियों ने एक मिनट में एक स्थान पर सर्वाधिक संख्या में जॉगिंग करने के रिकॉर्ड का प्रयास किया गया, जिसमें बोकारो के प्रतिभागियों ने भी भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि बीएसएल अपने सीएसआर के माध्यम से स्वास्थ्य और खेल को बढ़ावा देने के क्षेत्रों में लंबे समय से काम कर रही है। बीएसएल अब दिव्यांग बच्चों के उत्थान के क्षेत्र में भी लगातार काम करने और खेल के माध्यम से उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने के मुहिम में शामिल हो रही है। इसी क्रम में आगे बीएसएल द्वारा बोकारो में दिव्यांगों के लिए राष्ट्रीय स्तर की साइकिलिंग और बैडमिंटन प्रतियोगिता के आयोजन की योजना भी है।

इधर, 2021 -22 में बोकारो इस्पात संयंत्र ने बनाए नए कीर्तिमान

वित्त वर्ष 2021-22 बोकारो इस्पात संयंत्र के लिए कर्तिमानों का वर्ष रहा। पिछले वित्त वर्ष के दौरान संयंत्र की विभिन्न इकाइयों द्वारा कई नए कीर्तिमान स्थापित किये गए। इस कड़ी में सीआरएम-3 के कर्मियों ने मुख्य महाप्रबंधक (सीआरएम-3) राजन प्रसाद के मार्गदर्शन में विगत वर्ष में कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान सीआरएम-3 में विक्रेय इस्पात के उत्पादन में 36% की वार्षिक वृद्धि के साथ-साथ डिस्पैच में भी 23% की वृद्धि हुई है। मार्च-22 में 68168 टन विक्रेय इस्पात उत्पादन का नया मासिक रिकार्ड भी बना। इसी प्रकार मार्च-22 में पीएलटीसीएम से 69193 टन रिकॉर्ड उत्पादन का नया मासिक रिकार्ड बना। इसके अलावा मार्च महीने में सीआरएम-3 के बीएएफ में 44736 टन उच्चतम मासिक अनलोडिंग का आकड़ा दर्ज किया गया। सीआरएम-3 से मार्च '22 में कुल डिस्पैच 70496 टन हुआ और मिल से समग्र रूप से वित्त वर्ष 21-22 के दौरान यील्ड 91% से बढ़कर 92% हुई। वित्त वर्ष 2021-22 में ब्लास्ट फर्नेस की टीम ने भी मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) एम पी सिंह के नेतृत्व में चार ब्लास्ट फर्नेस के परिचालन से 4.2648 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इससे पहले चार ब्लास्ट फर्नेस के परिचालन से 4.253 मिलयन टन का उत्पादन वित्त वर्ष 2014-15 में हुआ था। इसी प्रकार चार ब्लास्ट फर्नेस के परिचालन से सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन मार्च-22 में 410133 टन हुआ। इसके अलावा उच्चतम दैनिक उत्पादन 27 मार्च-22 को 14912 टन दर्ज किया गया। सीडीआई रेट, ग्रेनुलेटेड स्लैग उत्पादन व डिस्पैच तथा परिचालन के अन्य मानकों में भी ब्लास्ट फर्नेस में गत वर्ष उल्लेखनीय बेहतरी दर्ज की गई। 4 अप्रैल को बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश ने ब्लास्ट फर्नेस एवं सीआरएम-3 जाकर अधिकारियों एवं कर्मियों से मुलाकात की और इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी।

इस्लाम में उपवास का उद्देश्य

– मो. इजाजुल हक –

शिक्षक, रा.म.वि दीवानखाना, चतरा।

इस्लाम में उपवास (रोजा) का उद्देश्य पाप कर्मों से दूर रहकर और अपनी इच्छाओं को नियंत्रित करने के लिए खुद को प्रशिक्षित करके धार्मिकता (तकवा) की गुणवत्ता विकसित करना है।

अल्लाह ने कहाः ह्मऐ ईमान वालो, तुम्हारे लिए रोजा निर्धारित किया गया है जैसा कि तुमसे पहले के लोगों के लिए निर्धारित किया गया था ताकि तुम (मुतक़्क़ी) नेक बनो। (कुरान, 2:183)।

मुतक़्क़ी शब्द तकवा से आया है, 'तकवा' मूल अर्थ है, 'रक्षा करना' और इसे विभिन्न प्रकार से धार्मिकता और ईश्वर से डरने वाले धर्मपरायणता के रूप में अनुवादित किया जाता है। उपवास हमारे भीतर इस गुण को जगाने के लिए है। इस तरह रोजा एक ढाल का काम करता है, जो हमें पाप से और आखिरत में अल्लाह के दण्ड से बचाता है।

उस्मान इब्न अबू अल-आस ने बतायाः "अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने कहाः 'उपवास नरक की आग से एक ढाल है, जैसे युद्ध में आप में से किसी की ढाल है।" (सुनन इब्न माजा, 1639)

इसलिए, एक मुसलमान को उपवास करते समय सभी प्रकार के पापों से खुद को बचाने के लिए विशेष रूप से सावधान रहना चाहिए। उसे लाभहीन भाषण और विशेष रूप से बेवजह के तर्क-वितर्क का त्याग करना चाहिए। विशेष तौर पर रोजा के दौरान सोशल मीडिया पर या प्रत्यक्ष रूप से अगर कोई उससे बहस करने की कोशिश करता है, तो उसे बस यह कहकर जवाब देना चाहिए कि वह उपवास कर रहा है।

अबू हुरैरा (अल्लाह उस पर प्रसन्न हो सकता है) ने बतायाः "अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने कहाः 'जब आप में से कोई सुबह उपवास के लिए जागता है, तो उसे अश्लील भाषा का उपयोग नहीं करना चाहिए या अज्ञानतापूर्ण व्यवहार नहीं करना चाहिए। यदि कोई उसकी निन्दा करें, या उस से वाद विवाद करे, तो वह कहेः निश्चय ही मैं उपवास कर रहा हूँ!" (सहीह मुस्लिम)

अगर कोई मुसलमान रोजे के दौरान गुनाहों और अनर्गल भाषण से अपनी रक्षा करने में विफल रहता है, तो उसके उपवास का उद्देश्य पूरा नहीं हुआ है। यदि रोजा के दौरान हम अपने कर्तव्यों का सही-सही पालन नहीं करते उदाहरणस्वरूप एक कर्मचारी रोजे की हालत में देर से अपने कार्यस्थल पर पहुंचे और समय समाप्ति से पहले कार्यस्थल को छोड़ दे तो यह भी रोजा के उद्देश्य को पूरा नहीं करता।

अबू हुरैरा ने बतायाः "पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने कहाः 'जो कोई उपवास के दौरान झूठे भाषण और बुरे कामों को नहीं छोड़ता है, तो अल्लाह को उसके भूखे रहने की जरूरत नहीं है। " (सहीह बुखारी)

पाप से दूर रहने के अलावा, एक मुसलमान को उपवास के अभ्यास को इच्छाओं पर नियंत्रण विकसित करने के साधन के रूप में उपयोग करना चाहिए। यदि कोई मुसलमान दिन में खाने-पीने से दूर रहने के लिए पर्याप्त इच्छा शक्ति विकसित कर ले, तो यह इच्छा शक्ति इतनी मजबूत हो जाएगी कि अन्य समय में पापी प्रलोभनों को नकार सके।

इब्न मसूद ने बतायाः "अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने कहाः 'ऐ नौजवानों, अगर तुम एक पत्नी के खर्च बर्दाश्त करने में सक्षम हो, तो शादी कर लो। निःसंदेह यह आँखों को वश में करता है और गुप्तांगों की रक्षा करता है, लेकिन जो ऐसा नहीं कर सकता, उसका कर्तव्य है कि वह उपवास करे क्योंकि वास्तव में यह इंद्रियों के नियन्त्रण का एक साधन है।" (सहीह मुस्लिम, 1400)

इस प्रकार, उपवास आत्मा को पापी इच्छाओं और वासनाओं को पूरा करने से रोकने का एक साधन है। आत्म-नियंत्रण का यह गुण लोगों के स्वर्ग में प्रवेश करने का एक कारण है।

अल्लाह ने फरमायाः "(वे) जो अपने भगवान की स्थिति से डरते थे और आत्मा को नाजायज झुकाव से रोकते थे, तो वास्तव में स्वर्ग (उसका) आश्रय होगा।" (कुरान, 79:40-41)

इसी तरह, उपवास हमारे क्रोध पर नियंत्रण विकसित करने का एक साधन होना चाहिए। इस वजह से रोजे के दौरान मुसलमानों को बहस नहीं करनी चाहिए और न ही बदकलामी का जवाब देना चाहिए।

अबू हुरैरा ने बतायाः "अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने कहाः 'बलवान या ताकतवर सबसे अच्छा पहलवान नहीं हैं। सच तो यह है कि बलवान तो वही होते हैं जो क्रोध में आकर अपने आप पर नियंत्रण कर लेते हैं।" (सहीह मुस्लिम, 2609)

इसके अलावा, उपवास गरीबों के लिए दया और अल्लाह की कृपा के लिए कृतज्ञता का एक साधन है।

अबू हुरैरा ने बतायाः "अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने कहाः" अपने से नीचे वालों को देखो, और अपने से ऊपर वालों को मत देखो, ऐसा न हो कि तुम अल्लाह के अनुग्रह को तुच्छ समझो '। (सहीह मुस्लिम 2963)

उपवास के दौरान हमें जो असुविधा महसूस होती है, वह हमें गरीबी में उन लोगों की पीड़ा की याद दिलाती है जो खाद्यान्न या स्वच्छ पानी का आनंद नहीं लेते हैं। उनकी स्थिति पर विचार करके, हमें उनके दुखों को दूर करने और अल्लाह के आशीर्वाद के लिए आभारी होने के लिए दान देना चाहिए।

अंत में, उपवास के उद्देश्य को पूरा करके, एक मुसलमान को आखिरत में मोक्ष, नरक की आग से सुरक्षा और जन्नत में प्रवेश के साथ पुरस्कृत किया जाएगा। हर दिन कहीं न कहीं कोई मुसलमान अपने नेक उपवास के कारण नरक की आग से मुक्ति पाता है।

जाबिर ने बतायाः अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने कहाः "वास्तव में, अल्लाह के पास ऐसे लोग हैं जिन्हें वह उपवास तोड़ने यानी इफ्तार के समय छुड़ाता है, और वह हर शाम के वक़्त होता है।" (सुनन इब्न माजाह 1643)

हम सर्वशक्तिमान अल्लाह से हमारे रोजा (उपवास) को स्वीकार करने और हमें सबसे अधिक प्रसन्न करने वाले गुण प्रदान करने के लिए प्रार्थना करते हैं। आमीन!

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेब्री.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***

प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

चीन पर भरोसा... ना बाबा ना !

एलएसी मामले में फिर दिखाई अपनी पुरानी फितरत

चीन पर भरोसा करना शुरू से ही घातक साबित हुआ है। अब एलएसी के मामले में एक बार फिर ऐसे ही हालात दिख रहे हैं। पिछले माह जब चीन के विदेश मंत्री वांग यी अचानक भारत आए थे, तब लद्दाख के मसले को लेकर पहले एनएसए अजित डोभाल, फिर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उन्हें दो टूक सुनाई थी। एलएसी पर तनाव को लेकर भारत की तरफ से दी गई दलीलों पर उनका जवाब था कि अब चीन इस मुद्दे को गंभीरता से लेगा और विवाद हल करने पर जोर देगा। हालांकि, वांग की इस बात को राजनीति के जानकारों ने गंभीरता से नहीं लिया था। अब चीन की तरफ से जो ताजा हरकत सामने आई है, वह इसी बात पर मुहर लगाती है कि चीन कहने को कुछ भी कहे, मगर वह न तो कल भरोसे के लायक था और न आज है। चीन लद्दाख में अनुचित व आपत्तिजनक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एक निजी खुफिया फर्म का दावा है कि उसने बीते आठ माह में कई बार लद्दाख के पास की पावर ग्रिड को निशाना बनाया है। यह फर्म विश्व के सरकारी हैकरों पर नजर रखने वाली सबसे बड़ी खुफिया कंपनियों में शुमार है। उसका कहना है कि चीनी हैकर पावर ग्रिड के सेंटरों के आसपास के बुनियादी ढांचे की जानकारी जुटाना चाह रहे थे। बिजली केंद्रों में चीनी घुसपैठ का उद्देश्य इन जटिल प्रणालियों के बारे में जानकारी हासिल करना भी हो सकता है, ताकि भविष्य में इनके उपयोग की क्षमता विकसित की जा सके। दुनियाभर में साइबर अटैक के मामले बढ़ रहे हैं। पिछले साल अमेरिका में रैनसमवेयर अटैक के कारण लाखों लोग प्रभावित हुए थे।

आस्ट्रेलिया में बिजली नेटवर्क पर साइबर अटैक के कारण लाखों लोग बिजली गुल होने की कगार पर पहुंच गए थे। रेकॉर्डेड फ्यूचर का कहना है कि पिछले साल फरवरी में, उसने 10 अलग-अलग भारतीय संगठनों के सिस्टम पर साइबर हमले की सूचना दी थी। दोनों देशों के बीच क्षेत्र में एलएसी को लेकर पहले से लंबा गतिरोध जारी है। रिपोर्ट आने के बाद केंद्रीय बिजली मंत्री आरके सिंह ने भी स्वीकार किया है कि चीनी हैकरों ने दो बार हमले का प्रयास किया था। ये हमले उत्तर भारत के केंद्रों पर खासतौर से किए गए। इनमें भी लद्दाख से लगी भारत-चीन सीमा इलाके में स्थित केंद्रों को ज्यादा निशाना बनाया गया। जांच में पाया गया कि भारतीय लोड डिस्पैच केंद्रों से दुनिया भर में फैले चीन के सरकारी कमांड और कंट्रोल सर्वरों को डेटा भेजा जा रहा है। रेकॉर्डेड फ्यूचर ने कहा कि पावर ग्रिड के केंद्रों को निशाना बनाने के अलावा चीन के सरकारी हैकरों ने भारत के आपात प्रतिक्रिया तंत्र पर भी धावा बोला। भारत चीन के बीच 3500 किलोमीटर लंबी सीमा है। इससे सटे कुछ क्षेत्रों को लेकर चीन दावा करता रहा है। दोनों देशों के बीच 1962 में जंग भी हो चुकी है।

2020 में एक बार फिर दोनों देशों में संघर्ष हुआ, जब लद्दाख में चीनी सेना ने घुसपैठ की कोशिश की। गलवान घाटी में हुए इस संघर्ष में चीन को भारी नुकसान उठाना पड़ा था, वहीं भारत के भी 24 जवान शहीद हो गए थे। इसके बाद दोनों देशों की सेना बड़ी संख्या में वहां तैनात है। तनाव व सेना हटाने के लिए 15 बार सैन्य कमांडर स्तर की वार्ता हो चुकी है, कुछ क्षेत्रों से सैन्य वापसी हो चुकी है, बाकी को लेकर चर्चा जारी है। गौरतलब है कि जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सैनिकों ने भारतीय सैनिकों पर हमला कर दिया था। इसमें भारत के चौबीस जवान शहीद हो गए थे। इसके बाद चीन ने तेजी से वहां सैनिक जमा करने शुरू कर दिए और कुछ जगहों पर कब्जा भी जमा लिया। इस गतिरोध को दूर करने के लिए दोनों देशों के बीच अब तक 15 दौर की बातचीत हो चुकी है। पर हैरानी की बात यह है कि वार्ता के हर दौर में चीन कुछ न कुछ ऐसा अड़ियल रुख दिखाता रहा है जिससे गतिरोध कम होने का नाम ही नहीं ले रहा। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के बीच गतिरोध जिस तरह से खिंचता जा रहा है, वह किसी भी रूप में अच्छा संकेत नहीं है। चीन के रवैये को लेकर विदेश मंत्री एस. जयशंकर कई मौकों पर अपनी चिंता और नाराजगी का इजहार कर चुके हैं। गलवान घाटी में संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर वार्ताओं के जितने भी दौर चले और उनमें चीन की ओर से जितने आश्वासन दिए गए, उनमें से उसने अपना एक भी वादा नहीं निभाया। ऐसे में उस पर कैसे भरोसा किया जा सकता है! न ही इस बारे में कोई अनुमान लगा पाना संभव है कि दोनों देशों के बीच यह मामला कब तक चलता रहेगा। - **प्रस्तुति : रूपक**

पुराने व जटिल रोगों से हैं परेशान?
होमियोपैथ से निजात पाने के लिये संपर्क करें-
प्रो. डॉ. काशीश्वर किशोर
DHMS (Distinction), B.H.M.S (BU).
प्रो. भूपेन्द्र नारायण मंडल होमियोपेथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, सहरसा
पूर्व सदस्य- होमियोपैथिक मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।
बैठने का स्थान : शॉपिंग सेन्टर, शॉप नं. 58, पहला तल्ला, को-ऑपरेटिव कॉलोनी, बीएस सिटी
(प्रात: 9.30- दोपहर 12.15 एवं संध्या 5.30-6.30)
जर्मन होमियो प्वाइंट, एफ/9, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बीएस सिटी
(सोमवार से शनिवार: संध्या 7.00-8.30), रविवार (संध्या 5.00-8.30)

OUTSTANDING RESULT in NEET 2020
ADMISSION OPEN
MEDICOS CLASSES
An Institute for PMT only
Courses Offer
- BIOLOGY For class XI-XII
- COMPLETE MEDICAL PREPARATION For class XI and XII
Dr. P. K. Jha
GA- 22, City Centre, Sec-4 (Near- Mansarowar), B.S. City | Contact : 8235001881, 8409152716

सभी दंत समस्याओं का एक समाधान
डॉ. नरेन्द्र मेमोरियल डेंटल सेंटर
138 को-आपरेटिव कॉलोनी (बोकारो)
दांत एवं मुंह संबंधी सभी बीमारियों के इलाज की पूर्ण सुविधा।
समय : सुबह 9.30 से दोपहर 2.30 बजे तक
संध्या 5.00 बजे से रात 9.00 बजे तक
(शनिवार अवकाश)
डा. निकेत चौधरी (संध्या में)
डा. प्रशान्त कुमार, एम.डी.एस.

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY
शिवम् हॉस्पीटल में
सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन एवं लेंस लगाया जाता है।
E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631